University of Technology

परिसर प्रतिध्वनि

(नवोन्मेष, युवा ऊर्जा एवं अन्तःक्रिया का अभिव्यक्ति मंच)

मासिक भित्ति पत्रिका, अंक - 14, फ़रवरी 2026

प्रधान संरक्षक	-	श्रीमती मीनाक्षी सुराना
प्रमुख संरक्षक	-	डॉ. प्रेम सुराना
मुख्य संरक्षक	-	डॉ. अंशु सुराना
प्रेसिडेंट (वाइस चांसलर)	-	प्रो. (डॉ.) रश्मि जैन
वरिष्ठ सलाहकार	-	प्रो. (डॉ.) अरविन्द कुमार अग्रवाल
प्रधान संपादक	-	प्रो. (डॉ.) अंकित गांधी
संपादक	-	डॉ. प्रेम कुमार
सह-संपादक	-	डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. भाग्यश्री खरे
खेल संपादक	-	श्री यश यादव

प्रेसिडेंट(वाइस चांसलर) महोदया का संदेश ...

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर की मासिक भित्ति पत्रिका **'परिसर प्रतिध्वनि'** के फ़रवरी 2026 अंक के प्रकाशन पर मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ। यह पत्रिका हमारे परिसर की शैक्षणिक उपलब्धियों, सामाजिक प्रतिबद्धताओं और सांस्कृतिक जीवंतता का सशक्त दर्पण है। मुझे अत्यंत संतोष है कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध गतिविधियों, सामाजिक अभियानों तथा सांस्कृतिक आयोजनों की विस्तृत रिपोर्ट्स इस मंच के माध्यम से साझा की जाती हैं। इससे न केवल विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय और संवाद सुदृढ़ होता है, बल्कि विद्यार्थियों को विविध क्षेत्रों में हो रहे कार्यों से परिचित होने और प्रेरणा ग्रहण करने का अवसर भी प्राप्त होता है। 'परिसर प्रतिध्वनि' की विशेष पहचान यह है कि यह केवल गतिविधियों का विवरण भर नहीं, बल्कि सृजनात्मक अभिव्यक्ति का मंच भी है। छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारियों की कविताएँ, लेख, विचार और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाएँ हमारे विश्वविद्यालय की मानवीय संवेदना और बौद्धिक परिपक्वता को रेखांकित करती हैं। यह सामूहिक सहभागिता हमारे संस्थान की वास्तविक शक्ति है। फ़रवरी का यह अंक हमें निरंतरता, नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है। मेरा विश्वास है कि 'परिसर प्रतिध्वनि' आगे भी इसी समर्पण और गुणवत्ता के साथ ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता का सेतु बनी रहेगी। इस अंक के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, सभी विभागों, लेखकों एवं सहयोगियों को हार्दिक बधाई। आप सभी का सतत सहयोग ही इस पत्रिका को जीवंत और प्रभावशाली बनाता है। आप सभी को उज्ज्वल भविष्य और सतत प्रगति की मंगलकामनाएँ।

प्रो. (डॉ.) रश्मि जैन
प्रेसिडेंट (वाइस चांसलर)
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

कुलसचिव महोदय की कलम से...

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर की मासिक भित्ति पत्रिका **'परिसर प्रतिध्वनि'** के चौदहवें अंक के प्रकाशन पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह पत्रिका हमारे विश्वविद्यालय के विविध आयामों अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक समृद्धि की सजीव अभिव्यक्ति है। विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, शोध-परक गतिविधियाँ, सामुदायिक अभियान और सांस्कृतिक आयोजन न केवल हमारे संस्थान की सक्रियता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी सिद्ध करते हैं कि हम समग्र विकास के पथ पर अग्रसर हैं। इन सभी गतिविधियों की सुव्यवस्थित और प्रामाणिक रिपोर्ट्स इस पत्रिका को एक दस्तावेज़ीय महत्व प्रदान करती हैं। मुझे विशेष प्रसन्नता है कि 'परिसर प्रतिध्वनि' छात्रों, अध्यापकों तथा कर्मचारियों की साहित्यिक और सामाजिक रचनात्मकता को भी समान मंच देती है। यह सहभागिता विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक वर्गों के मध्य संवाद और समन्वय को सुदृढ़ करती है। सामूहिक अभिव्यक्ति की यही भावना हमारे संस्थान को एक सशक्त शैक्षणिक परिवार के रूप में स्थापित करती है। कुलसचिव के रूप में मेरा यह विश्वास है कि पारदर्शिता, अनुशासन और सहयोग की भावना किसी भी संस्थान की प्रगति का आधार होती है। 'परिसर प्रतिध्वनि' इन मूल्यों को साकार रूप देती है और सभी को अपने कार्यों व विचारों को साझा करने के लिए प्रेरित करती है। इस अंक के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, सभी विभागों, रचनाकारों एवं सहयोगियों को हार्दिक बधाई। आशा है कि यह पत्रिका भविष्य में भी इसी निष्ठा और गुणवत्ता के साथ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और सृजनशीलता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाती रहेगी। आप सभी के उज्ज्वल भविष्य और सतत प्रगति की मंगलकामनाएँ।

डॉ. अनूप शर्मा
कुलसचिव
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

संपादकीय...

प्रिय पाठकों,
सप्रेम नमस्कार

विश्वविद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का केंद्र नहीं, बल्कि विचार, संवाद और सृजन का सजीव मंच होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर की मासिक भित्ति पत्रिका **'परिसर प्रतिध्वनि'** का यह चौदहवाँ अंक फ़रवरी 2026 में उसी सृजनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आपके समक्ष प्रस्तुत है। फ़रवरी का महीना उत्साह, ऊर्जा और नवसंकल्प का प्रतीक है। बीते माह विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, शोध-व्याख्यानों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सामाजिक जागरूकता अभियानों तथा सांस्कृतिक आयोजनों ने परिसर को सक्रिय और जीवंत बनाए रखा। इस अंक में संकलित रिपोर्ट्स न केवल गतिविधियों का विवरण हैं, बल्कि वे हमारे सामूहिक प्रयास, समर्पण और उत्कृष्टता की यात्रा का दस्तावेज भी हैं।

परिसर प्रतिध्वनि की विशेषता यह है कि यह प्रशासनिक और अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं की भी वाहक है। छात्रों, अध्यापकों और विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों की साहित्यिक एवं सामाजिक रचनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि हमारा परिसर केवल तकनीकी दक्षता का केंद्र नहीं, बल्कि संवेदनशील और विचारशील व्यक्तित्वों का निर्माण स्थल भी है। कविता, लेख, लघु-चिंतन और अनुभव-आलेख इस अंक को विविधता और गहराई प्रदान करते हैं। आज के तीव्र गति वाले तकनीकी युग में संवाद और सहभागिता का महत्व और अधिक बढ़ गया है। यह पत्रिका विभिन्न विभागों के मध्य सेतु का कार्य करती है तथा सभी को एक साझा मंच पर लाकर विश्वविद्यालय परिवार की एकता को सुदृढ़ करती है। मेरा विश्वास है कि यह सामूहिक अभिव्यक्ति हमें नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करेगी। इस अंक के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और रचनाकारों के प्रति मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी की सक्रिय भागीदारी ही परिसर प्रतिध्वनि को निरंतर सशक्त और सार्थक बनाती है। आइए, हम सब मिलकर ज्ञान, संवेदना और सृजनशीलता की इस परंपरा को आगे बढ़ाएँ और अपने परिसर को उपलब्धियों की नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ।

डॉ. प्रेम कुमार
सह-आचार्य, हिंदी विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

नोट:
आप सभी से निवेदन है कि अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव हमें अवश्य दें, जिससे आगामी अंकों को और अधिक प्रभावशाली व उपयोगी बनाया जा सके।

न्यू स्कूल–पार्सन्स, न्यूयॉर्क सिटी के प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण

दिनांक 22 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी वाटिका, जयपुर में द न्यू स्कूल-पार्सन्स स्कूल ऑफ डिज़ाइन, न्यूयॉर्क सिटी के प्रतिनिधिमंडल का गरिमामय भ्रमण संपन्न हुआ। प्रतिनिधिमंडल में जेम्स रेमर (फोटोग्राफी विभाग प्रमुख), जेरोम डी. पर्लिंगी एवं एलिज़ाबेथ हेस्किन एवं रोज़ा शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना एवं प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर(डॉ.) रश्मि जैन, कुलसचिव डॉ. अनूप शर्मा एवं टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुश्री राधा दत्ता, क्रिएटिव डायरेक्टर, आखा इंडिया, नई दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। स्वागत उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के डीन, स्टाफ सदस्यों से संवाद किया तथा कैंपस का भ्रमण किया। इस दौरान प्रेसिडेंट डॉ. रश्मि जैन द्वारा एक विस्तृत प्रेज़ेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक संरचना, उपलब्ध पाठ्यक्रमों एवं अकादमिक दृष्टिकोण, प्राप्त अवार्ड्स की जानकारी दी गई। न्यू स्कूल–पार्सन्स के प्रतिनिधियों ने भी अपने कोर्सेज़, शिक्षण पद्धतियों तथा वैश्विक शैक्षणिक अनुभवों को साझा करते हुए अकादमिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

न्यू स्कूल–पार्सन्स, न्यूयॉर्क सिटी के प्रतिनिधियों ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका के शैक्षणिक वातावरण, रचनात्मक अधोसंरचना एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। जेम्स रेमर ने कहा कि विश्वविद्यालय में सृजनात्मकता और व्यावहारिक शिक्षा का प्रभावी समन्वय देखने को मिला। प्रतिनिधिमंडल ने अकादमिक संवाद को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों की संभावनाओं पर, वैश्विक दृष्टिकोण के साथ डिज़ाइन शिक्षा को आगे बढ़ाने हेतु सकारात्मक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव डॉ. अनूप शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस भ्रमण को विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणादायक एवं भविष्य की अंतरराष्ट्रीय अकादमिक साझेदारियों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद बोस जयंती का आयोजन

दिनांक 23 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी वाटिका, जयपुर में बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद बोस जयंती का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान माँ सरस्वती के पूजन के साथ बसंत पंचमी का उल्लासपूर्ण वातावरण देखने को मिला, वहीं नेताजी सुभाष चंद बोस के विचारों तथा देश के प्रति उनके अद्वितीय योगदान को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने अपने संबोधन में कहा कि- "बसंत पंचमी ज्ञान, नवचेतना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि नेताजी सुभाष चंद बोस का जीवन युवाओं के लिए राष्ट्रसेवा, त्याग और नेतृत्व की प्रेरणा प्रदान करता है।" उन्होंने विकसित भारत 2047 के विज़न पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता, नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों के माध्यम से ही भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

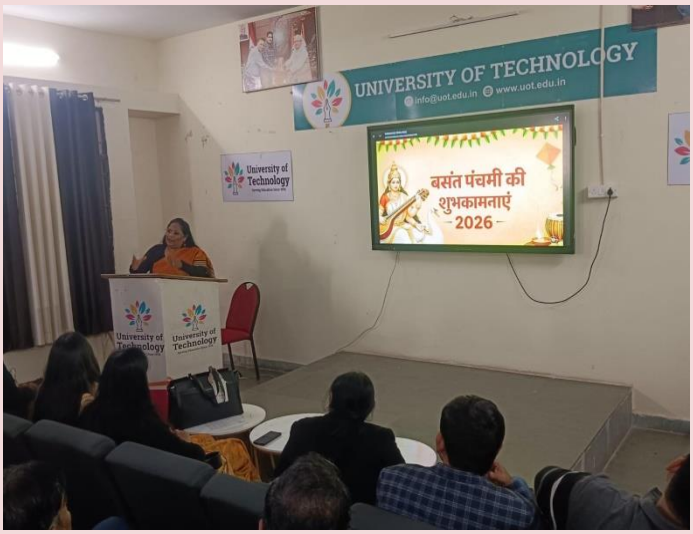

प्रो-चेयरपर्सन डॉ. अंशु सुराना ने अपने संदेश में कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, संस्कृति और सकारात्मक सोच का पर्व है तथा नेताजी सुभाष चंद बोस का जीवन राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और त्याग की अनुपम प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रनिर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में युवा शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और विश्वविद्यालय शिक्षा, नवाचार, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, उपकुलसचिव श्री नरेश अरोड़ा, श्री पंकज कुमार वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में विशेष शिक्षा विभाग की अधिष्ठाता डॉ. वंदना सिंह ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया |

‘यूथ मेंटल हेल्थ फर्स्ट एड’ एवं ‘ब्रेव टॉक एंड वैलनेस बूथ’ कार्यक्रम का सफल आयोजन

दिनांक 23 जनवरी 2026 को आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट, एम-पावर द्वारा तीन दिवसीय ‘यूथ मेंटल हेल्थ फर्स्ट एड’ एवं एक दिवसीय ‘ब्रेव टॉक एंड वैलनेस बूथ’ कार्यक्रम का सफल आयोजन सुश्री त्रिशाला, एग्जीक्यूटिव आउट रिच एंड प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर एम पावर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट पर्सन डॉ. वंदना सिंह ठाकुर, अधिष्ठाता विशेष शिक्षा विभाग द्वारा उन 25 विद्यार्थियों का चयन किया, जिन्हें इस सेशन के उपरांत यूथ मेंटल हेल्थ फर्स्ट एड का प्रमाण पत्र आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट के द्वारा प्राप्त होगा। सुश्री त्रिशाला ने यूथ मेंटल हेल्थ गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य की प्रशिक्षण कार्यक्रम को रुचिकर बनाया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस सुश्री त्रिशाला द्वारा विद्यार्थियों को डिप्रेशन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान डिप्रेशन के कारण, उसके लक्षणों की पहचान, डिप्रेशन से ग्रसित व्यक्तियों की सहायता करने के विभिन्न प्रभावी तरीकों पर प्रकाश डाला गया। विषय को अधिक स्पष्ट एवं प्रभावी बनाने हेतु विद्यार्थियों को डिप्रेशन से संबंधित शैक्षणिक वीडियो भी दिखाए गए। द्वितीय दिवस विद्यार्थियों को एंग्जायटी(Anxiety) से संबंधित जानकारी दी गई। सुश्री त्रिशाला ने एंग्जायटी के कारणों, उसकी पहचान, समाधान के उपायों तथा एंग्जायटी से ग्रसित व्यक्तियों की सहायता करने की विधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम के तृतीय दिवस सुश्री त्रिशाला द्वारा विद्यार्थियों को यह जानकारी दी गई कि किस प्रकार मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए कुछ लोग ड्रग्स का सहारा लेने लगते हैं, इसके दुष्परिणाम क्या होते हैं, तथा इससे बचाव के उपाय कौन-कौन से हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने विभिन्न प्रकार के मेंटल डिसऑर्डर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का अंतिम दिवस, 23 जनवरी 2026 को ‘ब्रेव टॉक एंड वैलनेस बूथ’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुश्री त्रिशाला द्वारा ब्रेव टॉक एवं वैलनेस से संबंधित जानकारी प्रदान की गई तथा विद्यार्थियों के लिए अनेक रचनात्मक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों का संचालन किया गया। प्रथम गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों से इमोशनल वर्ड्स को पहचानने एवं कागज़ पर खोजने से संबंधित गतिविधि करवाई गई, जिसमें

विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं रोचक ढंग से सहभागिता की। द्वितीय गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को केवल चार पंक्तियों के आधार पर एक आकृति का मिलान करने का कार्य दिया गया। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं विश्लेषण क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अन्य गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न आकृतियों में रंग भरने से संबंधित गतिविधि करवाई गई। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने अत्यंत उल्लास, जोश एवं आनंद के साथ भाग लिया तथा कार्यक्रम से सकारात्मक एवं व्यावहारिक सीख प्राप्त की। माननीय प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी तथा उन्हें यूथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बताई गए बातों को गंभीरता पूर्वक लागू करके समाज में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की शुभकामनाएं प्रदान की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर माननीय प्रेसिडेंट महोदया प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञ सुश्री त्रिशाला का सम्मानपूर्वक उपहार भेंट कर अभिनंदन किया गया। अपने उद्बोधन में माननीय प्रेसिडेंट महोदया प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने कहा कि- "यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।" इसके पश्चात विश्वविद्यालय के उप-कुलाध्यक्ष डॉ. अंशु सुराणा ने कार्यक्रम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, उपयोगी एवं समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कार्यक्रम की विषयवस्तु, प्रशिक्षण शैली एवं गतिविधि-आधारित प्रस्तुति की प्रशंसनीय शब्दों में सराहना करते हुए विशेष शिक्षा विभाग के इस प्रयास को सराहनीय एवं अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर विशेष शिक्षा तथा अन्य विभाग के सभी अध्यापकगण डॉ. सीता राम माली, डॉ. प्रेम कुमार, डॉ. कुलदीप शर्मा, सीमा चौधरी, धीरज नागर, हसन दीन खान, भावना रावत, गीता रानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में डॉ. वंदना सिंह ठाकुर, अधिष्ठाता विशेष शिक्षा विभाग द्वारा कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों, प्रशिक्षक, अध्यापकगण एवं विद्यार्थियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रकार 'यूथ मेंटल हेल्थ फर्स्ट एड' एवं 'ब्रेव टॉक एंड वैलनेस बूथ' कार्यक्रम का अत्यंत सफल, प्रेरणादायक एवं प्रभावशाली समापन हुआ।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

दिनांक 26 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के मुख्य परिसर में 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमामय, देशभक्तिपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्रातःकालीन समारोह में विश्वविद्यालय के प्रांगण को तिरंगे, पुष्प-सज्जा एवं राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत सजावट से सुसज्जित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दीपशिखा कला संस्थान के कुलाध्यक्ष डॉ. प्रेम सुराना ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया, जिससे समूचा परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. प्रेम सुराना ने कहा- "गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे संविधान में निहित मूल्यों स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को आत्मसात करने का संकल्प दिवस है।" उन्होंने युवाओं से संविधान की भावना को जीवन में उतारने और राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रेसिडेंट प्रोफेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने प्रेरणादायी व्याख्यान देते हुए कहा- "शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर सकें।" उन्होंने विश्वविद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थान राष्ट्र की वैचारिक नींव को मजबूत करते हैं। इसके पश्चात प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने अपने उद्बोधन में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा- "आज का विद्यार्थी ही कल का नेतृत्व है। यदि नेतृत्व संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा होगा, तभी भारत का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध होगा।" उन्होंने तकनीक, नवाचार और नैतिकता के समन्वय को समय की आवश्यकता बताया। समारोह का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। राष्ट्रीय चेतना से ओत-प्रोत गीतों पर समूह नृत्य, देशभक्ति कविताओं का सशक्त पाठ तथा रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में भारत की एकता, विविधता और बलिदान की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव डॉ. अनूप शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा- "यह आयोजन तभी सार्थक होता है जब हम गणतंत्र के मूल आदर्शों को

अपने आचरण में उतारें।" उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों तथा विद्यार्थियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह का कुशल एवं प्रभावशाली मंच संचालन डॉ. चारु दुबे द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को अनुशासित, रोचक और गरिमामय बनाए रखा। समग्रतः 77वें गणतंत्र दिवस का यह आयोजन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय चेतना, संवैधानिक मूल्यों एवं सांस्कृतिक गौरव को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ और उपस्थित सभी जनों के मन में देशप्रेम की भावना को और अधिक प्रखर कर गया।

गणतंत्र दिवस 2026: लोकतंत्र की पुनःपुष्टि का पर्व

हर वर्ष 26 जनवरी को हम भारत का गणतंत्र दिवस मनाते हैं। एक ऐसा दिन जब हमारा संविधान प्रभावी हुआ और भारत ने एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपनी पहचान विश्व मंच पर दर्ज की। वर्ष 2026 में हम 77वाँ गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। यह अवसर न केवल गर्व का है, बल्कि आत्मचिंतन और आत्ममूल्यांकन का भी है।

संविधान: केवल दस्तावेज नहीं, जीवंत संकल्प: भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, पर यह केवल कागजों का पुलिंदा मात्र नहीं है, बल्कि यह उन मूल्यों और आदर्शों का जीवंत दस्तावेज है जो हमें एक राष्ट्र के रूप में परिभाषित करते हैं। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता ये केवल शब्द नहीं, बल्कि उस स्वप्न का आधार हैं जो स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। वर्ष 2026 में जब हम इन शब्दों को पुनः पढ़ते हैं, तो यह विचार आवश्यक हो जाता है कि क्या हम इन मूल्यों का समुचित पालन कर रहे हैं? क्या समाज में हर व्यक्ति को न्याय मिल रहा है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक सीमित है, या इसका सामाजिक और आर्थिक आयाम भी हमारे सोच का हिस्सा बन पाया है?

लोकतंत्र: चुनाव से आगे का रास्ता: लोकतंत्र केवल चुनावों में मतदान तक सीमित नहीं होता। यह नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता और जनसरोकार से जुड़ा शासन प्रणाली का समावेश है। आज जब तकनीक ने सूचना और संवाद को सहज बना दिया है, तब आम नागरिक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, किन्तु, चिंता का विषय यह भी है कि लोकतंत्र में भावनाओं की राजनीति, फर्जी खबरों का फैलाव, और ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए केवल संस्थाएं नहीं, नागरिकों की सजगता भी उतनी ही आवश्यक है।

सामाजिक समरसता और आधुनिक चुनौतियाँ: भारत एक विविधता भरा देश है भाषा, धर्म, संस्कृति, जाति के अनेक रूप यहाँ विद्यमान हैं। संविधान ने सभी को समान अधिकार देकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया, परंतु वर्ष 2026 में भी यदि जातिवाद, साम्प्रदायिकता, लैंगिक भेदभाव और आर्थिक विषमता जैसे प्रश्न ज्यों के त्यों हैं, तो आत्ममंथन आवश्यक है। वर्तमान समय की चुनौतियाँ जैसे- जलवायु परिवर्तन, बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटलीकरण हमारे लोकतंत्र की मजबूती की परीक्षा ले रहे हैं। क्या हम इनका उत्तर वैज्ञानिक सोच, सामूहिक संवाद और संवेदनशील नीति-निर्माण से देंगे?

निष्कर्ष: गणतंत्र दिवस केवल परेड, झंडारोहण और देशभक्ति गीतों का पर्व नहीं है, यह एक चेतावनी है कि हम अपने गणराज्य को कितनी ईमानदारी से जी रहे हैं। यह दिन हमें संविधान की आत्मा से जोड़ता है, और यह अवसर देता है कि हम विचार करें। क्या हम उस भारत की ओर अग्रसर हैं जिसका सपना आज़ादी के आंदोलन ने देखा था? आइए, 2026 के गणतंत्र दिवस पर हम केवल उत्सव न मनाएँ, बल्कि एक ऐसा संकल्प लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त, न्यायपूर्ण और संवेदनशील भारत का मार्ग प्रशस्त करे।

जय हिंद... जय भारत... जय संविधान...

डॉ. प्रेम कुमार
सह आचार्य, हिंदी विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर

फ़ीडिंग हैंड एनजीओ के सहयोग से एनएसएस शिविर के तृतीय दिवस पर 1000 जूतों का वितरण

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस के अवसर पर फ़ीडिंग हैंड एनजीओ के सहयोग से समाजसेवा की एक सराहनीय पहल की गई। इस दौरान सरकारी विद्यालय कादेड़ा एवं भोज्याड़ा गाँवों में विद्यार्थियों को 500 जूतों का वितरण किया गया। यह जूता वितरण अभियान कुल 1000 जूतों का है, जिसमें शेष 500 जूते 28 जनवरी को वितरित किए गए। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल जागरूकता प्रदान की गई। बच्चों को मोबाइल, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग तथा विभिन्न डिजिटल सेवाओं की जानकारी देकर तकनीकी रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की माननीय प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ ही कुलसचिव (रजिस्ट्रार) डॉ. अनूप शर्मा भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर, फ़ीडिंग हैंड एनजीओ एवं एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का सफल आयोजन एवं संचालन श्री सुरेंद्र चौधरी, श्री यश यादव, श्री दिनेश चौधरी, डॉ. चारु दुबे, सुश्री खुशबू चौधरी, श्री हसन दीन खान, श्री धीरज कुमार नागर, श्री पवन कुमार गौतम एवं सभी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का भव्य समापन

दिनांक 31 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर में आयोजित सात दिवसीय विशेष राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का समापन समारोह अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। 25 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित इस शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सामाजिक सेवा, जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाई। समापन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने की। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि- "राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को केवल सेवा का अवसर ही नहीं देती, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।" अपने वक्तव्य में उन्होंने आगे यह भी कहा कि एनएसएस शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

समारोह में विश्वविद्यालय के माननीय प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए एनएसएस के मूल मंत्र "मैं नहीं, आप (Not Me But You)" को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उन्हें जीवन भर समाज की भलाई के लिए

कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि एनएसएस से जुड़कर स्वयंसेवक न केवल स्वयं को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

समापन समारोह का एक विशेष आकर्षण एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सामाजिक नाट्य प्रस्तुति रही। इस नाटक की थीम बाल श्रम एवं बाल तस्करी जैसे अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से एनएसएस सेवकों ने समाज में व्याप्त इन कुरीतियों के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया तथा इनके उन्मूलन के लिए जनजागरूकता का सशक्त संदेश दिया। उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री यश यादव ने सभी गणमान्य अतिथियों, विश्वविद्यालय के समस्त डीन, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों तथा एनएसएस सेवकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सभी के सहयोग की प्रशंसा करते हुए सात दिवसीय विशेष एनएसएस कार्यक्रम के औपचारिक समापन की घोषणा की। यह सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर स्वयंसेवकों के लिए न केवल सेवा का अनुभव रहा, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक चेतना एवं राष्ट्र सेवा की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

आईपीआर एवं पेटेंट फाइलिंग पर कार्यशाला का सफल आयोजन

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (IIC) द्वारा दिनांक 10 फरवरी 2026 को 'आईपीआर एवं पेटेंट फाइलिंग' विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य सेमिनार हॉल (ए-ब्लॉक) में हाइब्रिड मोड के माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को 'बौद्धिक संपदा अधिकार(Intellectual Property Rights)' की महत्ता, नवाचारों की सुरक्षा तथा पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की आदरणीय प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन एवं प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ, जिनका निरंतर सहयोग संस्थान में नवाचार, शोध एवं उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री दीपेन्द्र सिंह चौहान, एग्जामिनर ऑफ ट्रेडमार्क्स, कॉपीराइट्स एवं जियोग्राफिकल इंडिकेशन, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑफिस, इंडिया (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न आयामों, पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रियाओं, कानूनी प्रावधानों तथा नवाचारों के संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने व्याख्यान में आईपीआर की वर्तमान समय में बढ़ती प्रासंगिकता, स्टार्टअप्स एवं शोधकर्ताओं के लिए इसके महत्व तथा नवाचारों को सुरक्षित करने की आवश्यकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. चारु दुबे, सहायक आचार्य, स्कूल ऑफ बेसिक्स एंड एप्लाइड साइंस एवं सुश्री ज्योति चौहान, सहायक आचार्य, स्कूल ऑफ लॉ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के संयोजक डॉ. सागर कुमार ने मुख्य वक्ता, आयोजन से जुड़े सभी समन्वयकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई तथा नवाचार, अनुसंधान एवं बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग, इनोवेशन डिजाइन और एआई: डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए रैपिड प्रोटोटाइपिंग विषय पर कार्यशाला का सफल आयोजन

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (IIC) द्वारा दिनांक 12 फरवरी 2026 को 'डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग, इनोवेशन डिजाइन और एआई: डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए रैपिड प्रोटोटाइपिंग' विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य सेमिनार हॉल में सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को तकनीक लागू करने से पहले वास्तविक समस्याओं की सही पहचान तथा उपयोगकर्ता-केंद्रित समाधान विकसित करने के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम का आयोजन प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन एवं प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ, जिनका निरंतर सहयोग संस्थान में नवाचार, शोध एवं उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य विशेषज्ञ श्री संदीप कुमार, संस्थापक एवं सीईओ, फ्यूचर ईवा फाउंडेशन, जयपुर ने प्रतिभागियों को मानव-केंद्रित डिज़ाइन को विश्लेषणात्मक सोच, विचारों को शीघ्र परीक्षण योग्य प्रोटोटाइप में बदलना, डिजिटल रूपांतरण के जोखिम कम करने तथा एआई-सक्षम नवाचार क्षमता का निर्माण की प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संचालन इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल छात्र कमेटी समन्वयक सुश्री रिहान आफरीन ने सुश्री प्रतिभा वशिष्ठ सहायक आचार्य, स्कूल ऑफ लॉ के मार्गदर्शन में किया। कार्यशाला को सफलतापूर्वक आयोजित कराने में डॉ. कुलदीप शर्मा, वरिष्ठ प्रोफेसर, कृषि विद्यापीठ का भी योगदान रहा कार्यक्रम के समापन-अवसर पर इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के संयोजक डॉ. सागर कुमार ने मुख्य वक्ता, आयोजन से जुड़े सभी समन्वयकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया।

ग्राम टूटोली में विज्ञान में रोजगार के अवसर एक्सटेंशन एक्टिविटी का आयोजन

दिनांक 13 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका जयपुर के स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज विभाग द्वारा ग्राम टूटोली में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु 'विज्ञान में रोजगार के अवसर' विषय पर एक्सटेंशन एक्टिविटी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विज्ञान क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी देना तथा उन्हें उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अनुसंधान, शिक्षण, औषधि उद्योग, पर्यावरण विज्ञान, प्रयोगशाला तकनीक, डाटा विज्ञान तथा सरकारी सेवाओं में उपलब्ध रोजगार अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं एवं कौशल विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर (डॉ.) रश्मि जैन ने अपने संदेश में कहा कि- "ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं।" उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने, परिश्रम करने और निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रजनी माथुर ने विज्ञान शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं बल्कि जीवन को समझने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों, शोध एवं नवाचार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। सुश्री मनीषा यादव, सहायक आचार्य (रसायन विज्ञान) ने कहा कि विज्ञान शिक्षा विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता तथा नवाचार की भावना विकसित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान विषय को अपनाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विज्ञान क्षेत्र में करियर से जुड़े प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह आयोजन ग्रामीण विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

सामाजिक पहल: दर्शन स्पेशल स्कूल प्रतापनगर में विशेष विद्यार्थियों को नि:शुल्क जूता वितरण

दिनांक 14 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटिका द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व की पहल के अंतर्गत कुम्भा मार्ग स्थित दर्शन विशेष शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क जूता वितरण फीडिंग हैंड्स संस्था एवं बिन्नी चप्पल के श्री विकास बैराठी के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना, उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा उनके आत्मविश्वास को सशक्त बनाना था। जूते प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह स्पष्ट रूप से झलक उठा, जिससे कार्यक्रम का वातावरण भावनात्मक और प्रेरणादायी बन गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, विशेष शिक्षा विभाग डॉ. वंदना सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ श्री हसन दीन खान, श्री राघवेंद्र यादव, सुश्री गीता रानी एवं श्रीमती सीमा चौधरी एवं विशेष शिक्षा विभाग के छात्र छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विद्यार्थियों को अपने हाथों से जूते वितरित किए। अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एवं फीडिंग हैंड्स एवं श्री विकास बैराठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल विद्यार्थियों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करती हैं। यह आयोजन सामाजिक सरोकार और समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण सिद्ध हुआ, जिसने शिक्षा के साथ-साथ मानवता के मूल्यों को भी सशक्त बनाने का संदेश दिया।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि: नुक्कड़ नाटक व रैली से गूंजा वाटिका बस स्टैंड

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा 14 फरवरी 2026 को पुलवामा आतंकी हमला में शहीद हुए वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु वाटिका बस स्टैंड पर गरिमामय वातावरण में नुक्कड़ नाटक एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वंदना सिंह ठाकुर, अधिष्ठाता, विशेष शिक्षा विभाग ने की। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक की संपूर्ण तैयारियाँ श्रीमती सीमा चौधरी के निर्देशन में सम्पन्न करवाई गईं। प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का शीर्षक 'पुलवामा अटैक' रहा, जिसमें पुलवामा हमले की त्रासदी, शहीदों का अद्वितीय बलिदान तथा राष्ट्र के प्रति नागरिक कर्तव्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई रैली से हुआ। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह और देशभक्ति के साथ शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाए। रैली के उपरांत वाटिका बस स्टैंड चौराहे पर विद्यार्थियों द्वारा पुलवामा हमले पर आधारित नुक्कड़ नाटक की मार्मिक प्रस्तुति दी गई। नाटक के दृश्य अत्यंत भाव-विभोर करने वाले रहे, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों को गहराई तक प्रभावित किया और वातावरण को संवेदना एवं राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। दर्शकों ने विद्यार्थियों की अभिनय कला एवं भाव-अभिव्यक्ति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। एक दर्शक द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप 100 रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई। संपूर्ण कार्यक्रम गरिमा, अनुशासन एवं देशप्रेम की भावना से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में विशेष शिक्षा विभाग के अध्यापकगण श्रीमती सीमा चौधरी, श्री राघवेंद्र यादव, सुश्री गीतारानी एवं श्री हसन दीन खान का योगदान सराहनीय रहा। इस अवसर पर प्रेसिडेंट प्रोफ़ेसर(डॉ.) रश्मि जैन ने भावुक शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- "नमन है मेरा उन शहीदों को, जो तिरंगा ओढ़ कर आए थे। विश्वविद्यालय के उप-कुलाध्यक्ष डॉ. अंशु सुराना ने विद्यार्थियों की कला की सराहना करते हुए उन्हें देश की भावी पीढ़ी बताते हुए निस्वार्थ सेवा का संदेश दिया। अंत में "जय हिंद, जय भारत" के नारों के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। पुलवामा हमले में शहीद सभी वीरों को सादर श्रद्धांजलि।" विषविद्यालय के प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. अंकित गांधी ने शहीदों के बलिदानों से प्रेरणा लेते हुए शांतिपूर्ण एवं सामंजस्यपूर्ण भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।